GURU NANAK COLLEGE – DHANBAD

LIBRARY

BOOK FAIR 2024

REPORT

On the pattern of past two years two-days book fair was organized on 26th and 27th November 2024 from 10.30 A.M to 4.00 P.M at Bhuda campus (SJS Grewal Auditorium). It was inaugurated by Dr. Pushpa Kumari, Dean Students Welfare, BBMK University. The program started with a soulful 'Shabad.'

Day 1

The program began with a welcome address by Dr. Sanjay Prasad, Principal who also highlighted the importance of the Book fair. Chief Guest Dr. Pushpa Kumari, DSW - BBMK University appreciated the college's initiative of having a book fair in such a grand manner, and a mesmerizing and motivating speech by Sardar R S Chahal, President - Governing Council. A formal vote of thanks was given by Mrs. Nushrat Parween, Librarian.

This fair had seven stalls comprised of three big Publishers/Distributors who have displayed a number of Books of varied backgrounds, they also represent various publishers through their stalls, like - S. Chand, Oxford University Press, McGraw Hill Publication, Ormrod, Pearson, Wiley, Vikas Publishing House, dream teach press and Crown Publication, etc.

26th November is marked as Constitution Day, an oath ceremony was performed by Dr Mina Malkhandi, HOD Dept. of Political Science and a skit was also performed by the students of Pol. Sc. department.

Department of Vocational studies BCA and BBA had its stall for the mind mapping games for its visitors. A stall was devoted to students willing to prepare for IAS exam by Rama Krishna IAS academy, a skill-based stall of Learnnet Skill Pvt. Ltd.

The day ended well and more than 200 footfalls were measured by the active students' volunteers.

Day 2

Day 2 starts with the Shabad, presented by the students of the creativity department, the day witnessed the Guest of Honor, an internationally acclaimed Indian-American novelist, poet, short story writer, literary critic, and translator Mr. Kiran Bhat was introduced by Dr. Varsha Singh. Mr. Bhat through his book “Speaking in Tongue” interacted with the audience, and shared his experience of travelling and its impact on his life and his writings, he answered various questions from the audience and signed many copies of his publication for the students and faculty. The day also highlighted the visit of Dr Debjani Biswas (Former DSW, BBMKU) and Dr Sharmila Banerjee (Former HOD, Dept. Of Bangla, BBMKU). The ladies were welcomed by the college Governing body Sardar R S Chahal, President; Sardar D S Grewal, Secretary; Dr. Sanjay Prasad, Principal and college staff. The book fair was highly appreciated by the guests. They have visited the bookstall by Amit Book Depot, Patna, Crown Publication, Ranchi stall and Kiran Books, Dhanbad Stall and selected a few books for their collection.

A special exhibition by Ramakrishna Math, Pune was organized on the college campus in order to celebrate the 125 anniversaries of Ramakrishna Mission. The exhibition was the first of its kind and our college is the first on the list to welcome them in the entire Dhanbad District.

A skit on corporate life was presented by the department of BBA and through an open mike few songs were performed by the students of the Commerce & History department. Amongst all the stalls the highlight was the art gallery corner, where various sketches, paintings and artwork were displayed by students of our college students.

At 4.00 P.M. the formal closure ceremony was done and a motivating speech was delivered by Dr. Sanjay Prasad (Principal) and a formal vote of thanks by Mrs. Nushrat Parween (Librarian).

BOOK FAIR 2024- POSTER

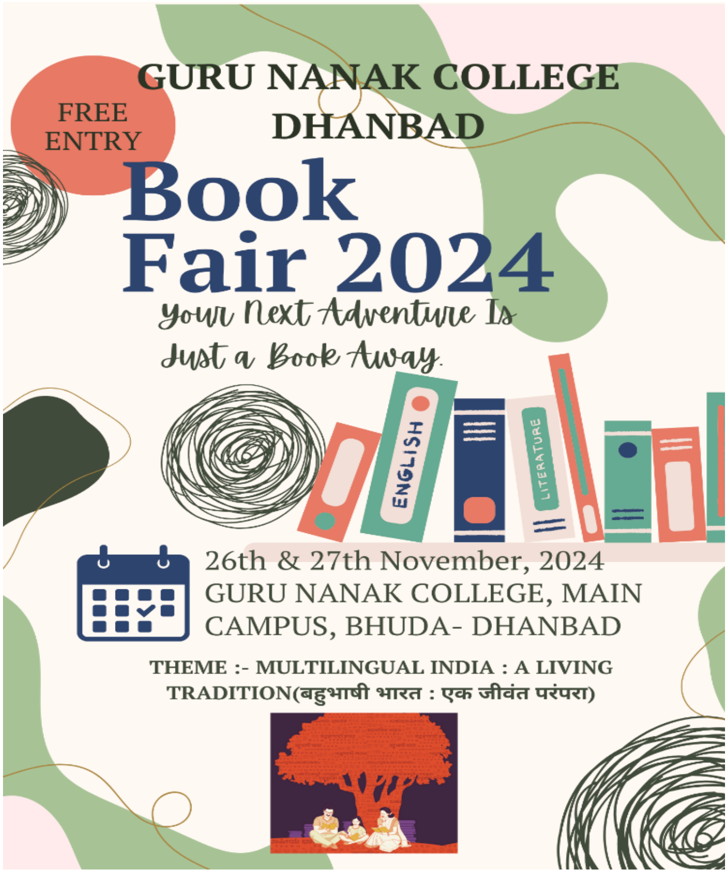

GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
Book F
2024
Theme :- Multilingual
Living Tradition

GURU NANAK COLLEGE, DHANBAD
Book Fair 2024
Theme :- Multilingual India : A Living Tradition
GURU NANAK COLLEGE, MAIN CAMPUS, BHUDA-DHANBAD

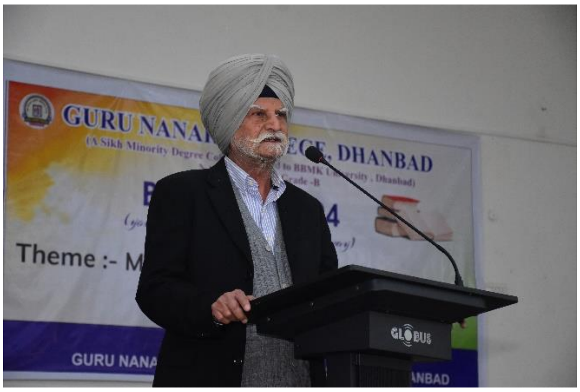
GLOBUS

RAMAKRISHNA MATH
DOOR STEP
Bookstore

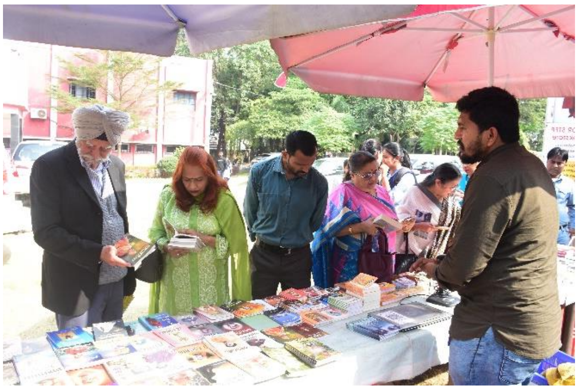

NEWSPAPER CLIPPINGS

DAINIK BHASKAR – 28/11/2024

पुस्तक मेले से पढ़ने की आदत होती है विकसित, बढ़ती है ज्ञान की प्यास: किरण

विवेकानंद की पुस्तकों में युवाओं की रुचि

एजुकेशन रिपोर्टर | धनबाद

गुरु नानक कॉलेज, धनबाद में चल रहा दो दिवसीय पुस्तक मेला बुधवार को संपन्न हुआ। अंतिम दिन बुधवार को कार्यक्रम का शुभारंभ सबद गायन से हुआ। इसके बाद भारतीय अमेरिकी उपन्यासकार किरण भट ने साहित्य और लेखन पर अपने विचार रखे। कहा कि ऐसे आयोजनों से पढ़ने की आदत विकसित होती है। स्वामी विवेकानंद के विचार आज के युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। कॉलेज अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने कहा कि विभिन्नता के बावजूद एकता भारतीय समाज की सबसे बड़ी ताकत है। विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कलाओं का मंचन किया। मेले में युवा पाठकों में साहित्यिक पुस्तकों और स्वामी विवेकानंद के विचारों से संबंधित साहित्य में गहरी रुचि दिखी। बेलूर मठ के प्रचारकों ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया। उनके स्टॉल पर पाठकों की भीड़ रही। कॉलेज के सचिव सरदार दिलजॉन सिंह ग्रेवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन पाठकों, छात्रों, शिक्षकों और साहित्य प्रेमियों के बीच अध्ययन और ज्ञान-वृद्धि की प्रेरणा देती है। पूर्व डीएसडब्ल्यू डॉ. देवयानी विश्वास कहा कि पुस्तक सच्चा मित्र है। पूर्व सहायक प्राध्यापक डॉ. शर्मीला बनर्जी ने भी विद्यार्थियों को पुस्तक पढ़ने के लिए प्रेरित किया। देश के विभिन्न प्रकाशकों ने साहित्य, विज्ञान, इतिहास, कला, प्रौद्योगिकी और धर्म सहित विभिन्न विषयों पर केंद्रित पुस्तकों को प्रदर्शित किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद, नुसरत परवीन, डॉ. वर्षा सिंह आदि मौजूद थीं।

DAINIK BHASKAR – 27/11/2024

जीएन कॉलेज भूदा कैंपस में दो दिवसीय पुस्तक मेला शुरू, संविधान की दिलाई शपथ

डिजिटल युग में भी पुस्तकें हमारी सोच को बनाती हैं समृद्ध, रोज पढ़ने की आदत डालें विद्यार्थी : डॉ पुष्पा

एजुकेशन रिपोर्टर | धनबाद

गुरु नानक कॉलेज के भूदा कैंपस में मंगलवार से दो दिवसीय पुस्तक मेला शुरू हुआ। इसमें देश के प्रमुख प्रकाशकों ने अपनी पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई। इनमें साहित्य, विज्ञान, इतिहास, कला और प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें हैं। मुख्य अतिथि बीबीएमकेयू की डीएसडब्ल्यू डॉ. पुष्पा कुमारी थीं। उन्होंने पुस्तक संस्कृति के पुनरुत्थान पर जोर दिया। कहा कि आज डिजिटल युग में भी पुस्तकें हमारी सोच को समृद्ध और सुदृढ़ बनाती हैं। छात्र-छात्राएं अधिक से अधिक पुस्तक पढ़ें और ज्ञान प्राप्त करें। कॉलेज अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने कहा कि पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी मित्र हैं। ये हमें समय, स्थान और परिस्थितियों से परे ज्ञान और अनुभव प्रदान करती हैं। विद्यार्थी नियमित रूप से पुस्तकें पढ़ें, अपने ज्ञान को व्यापक बनाएं। प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद ने कहा कि पुस्तकें न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि व्यक्ति के मानसिक और नैतिक विकास में भी सहायक होती हैं। लाइब्रेरी प्रभारी नुसरत परवीण ने कहा कि यह मेला न केवल छात्रों बल्कि समाज के सभी वर्गों के लिए ज्ञान के विविध आयामों को खोलने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। मेले का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी में पढ़ने की आदत विकसित करना है। वहीं मेले में राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से संविधान दिवस पर सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को डॉ. मीना मालखंडी ने शपथ दिलाई। छात्रों ने संविधान के महत्व पर एक नुक्कड़-नाटक प्रस्तुत किया। संविधान पढ़ने और इसके प्रति जागरूक बनने का संदेश दिया। इधर, विद्यार्थियों के बीच संवाद, पुस्तक विमोचन, पेंटिंग प्रदर्शनी, हास्य खेल और साहित्यिक चर्चाएं भी हुई। मेला गुरुवार को संपन्न होगा। पुस्तक संस्कृति के प्रोत्साहन के उद्देश्य से नए कदमों की घोषणा की जाएगी।

प्रभात खबर

धनबाद, बुधवार 27.11.2024 | 02

किताब हमारे सबसे अच्छे मित्र हैं : डॉ संजय प्रसाद

वरीय संवाददाता, धनबाद

गुरुनानक कॉलेज में दो दिवसीय पुस्तक मेला मंगलवार से शुरू हुआ. उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने किया. कहा कि किताबों की महत्ता हर काल में रहती थी और आज भी बरकरार है. यह लिखने और पढ़ने की क्षमता को बढ़ाती हैं. किताबों से अच्छा मानव के लिए कोई साथी नहीं है. कार्यक्रम के दौरान बीबीएमकेयू की डीन छात्र कल्याण डॉ पुष्पा कुमारी, कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल, डॉ मीना मालखंडी समेत सभी शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद थे.

कई प्रकार की किताबें हैं उपलब्ध : इस पुस्तक मेला में भाग लेने के लिए छह प्रकाशक आये हुए हैं. इनके पास कॉलेज के विषयों के अलावा कहानी, नाटक, जीवनी समेत भारतीय संविधान और प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें भी हैं.

संविधान की ली शपथ : पुस्तक मेला के दौरान ही संविधान दिवस भी मनाया गया. कॉलेज की राजनीति शास्त्र विभाग के छात्र-छात्राओं ने लघु नाटक प्रस्तुत किया.

हिन्दुस्तान

धनबाद, बुधवार, 27 नवंबर 2024 | 07

गुरुनानक कॉलेज में पुस्तक मेला हुआ शुरू

धनबाद, मुख्य संवाददाता। गुरुनानक कॉलेज धनबाद में मंगलवार को दो दिवसीय पुस्तक मेला का उद्घाटन हुआ। मेले में प्रमुख प्रकाशकों ने अपनी पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई। इनमें साहित्य, विज्ञान, इतिहास, कला और प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों की एक बड़ी शृंखला देखने को मिली। छात्रों और आगंतुकों ने इन पुस्तकों में गहरी रुचि दिखाई और इसे एक उत्कृष्ट अवसर बताया। मुख्य अतिथि बीबीएमकेयू डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ पुष्पा कुमारी ने पुस्तक संस्कृति के पुनरुत्थान पर जोर देते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में पुस्तकें हमारी सोच को समृद्ध और सुदृढ़ बनाती हैं। कॉलेज अध्यक्ष आरएस चहल ने कहा कि पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी मित्र हैं। प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने पुस्तकों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि व्यक्ति के मानसिक और नैतिक विकास में भी सहायक होती हैं। लाइब्रेरी प्रभारी नुसरत प्रवीण ने पुस्तक मेले के उद्देश्य पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में छात्रों के बीच संवाद, पुस्तक विमोचन, पेंटिंग प्रदर्शनी, हास्य खेल और साहित्यिक चर्चा शामिल रहीं।

गुरुनानक कॉलेज में आयोजित पुस्तक मेले में पेंटिंग प्रदर्शनी में शामिल छात्र-छात्राएं।

प्रभात खबर

धनबाद, गुरुवार
28.11.2024

गुरुनानक कॉलेज में पुस्तक मेले का समापन

धनबाद. गुरुनानक कॉलेज में दो दिवसीय पुस्तक मेला का समापन बुधवार को हो गया. समापन समारोह में मुख्य अतिथि भारतीय अमेरिकी उपन्यासकार किरण भट्ट थे. अपने संबोधन में उन्होंने साहित्य एवं लेखन संबंधी अपने विचार साझा किये. मौके पर कॉलेज शासी निकाय के अध्यक्ष एस चहल ने बहुभाषी भारत पर विचार व्यक्त किया. सचिव सरदार दिलजॉन सिंह ग्रेवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन पाठकों, छात्रों, शिक्षकों और साहित्य प्रेमियों के बीच अध्ययन व ज्ञान-वृद्धि की प्रेरणा देते हैं. पूर्व डीएसडब्ल्यू एवं अध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग डॉ देवयानी विश्वास ने पुस्तकों को सच्चा मित्र बताया, कहा कि इसमें सफलता के मूलमंत्र छुपा है. पुस्तक मेले में देश के प्रतिष्ठित प्रकाशकों ने भाग लिया. प्रकाशक मेला में साहित्य, विज्ञान, इतिहास, कला, प्रौद्योगिकी और धर्म समेत विभिन्न विषयों पर केंद्रित पुस्तकें लेकर आये थे. प्रकाशकों ने विशेष छूट भी दी. मेले की एक प्रमुख विशेषता बेलूर मठ के प्रचारक भी थे. उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों और दर्शन को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए विशेष स्टॉल लगाया. इसमें उनके जीवन और शिक्षा से संबंधित पुस्तकें, पर्चे, पोस्टर व अन्य साहित्य प्रदर्शित किये गये. पुस्तक मेला में छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों व अन्य लोगों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया. धन्यवाद ज्ञापन नुसरत परवीन एवं मंच संचालन डॉ वर्षा सिंह ने किया.

हिन्दुस्तान

धनबाद, गुरुवार, 28 नवंबर 2024 05

युवा पाठकों की साहित्यिक पुस्तकों में दिखी गहरी रुचि

पुस्तक मेला के समापन समारोह में गुरुनानक कॉलेज के अधिकारी व शिक्षक।

जीएन कॉलेज

धनबाद, मुख्य संवाददाता। गुरुनानक कॉलेज में दो दिवसीय पुस्तक मेले का समापन बुधवार को हुआ। दो दिनी पुस्तक मेला में यह देखा गया कि युवा पाठकों में साहित्यिक पुस्तकों और स्वामी विवेकानंद के विचारों से संबंधित साहित्य को लेकर गहरी रुचि रही। मेला में छात्रों, शिक्षकों व शहरवासियों ने हिस्सा लिया। बेलूर मठ के प्रचारकों ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कला का मंचन किया।

पुस्तक मेले की खास उपलब्धि भारतीय अमेरिकी उपन्यासकार किरण भट्ट रहे। किरण भट्ट की कविता संग्रह ऑटोबायोग्राफिया, स्पीकिंग इन टंग्स, उपन्यास वी ऑफ द फरसेकेन वर्ल्ड प्रकाशित हुई है। उन्होंने साहित्य एवं पर लेखन संबंधी अपने विचार साझा किया। मुख्य अतिथि ने पुस्तक मेले की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से पढ़ने की आदत को बढ़ावा मिलता है। महाविद्यालय अध्यक्ष आरएस चहल ने बहुभाषी भारत पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत की भाषाई विविधता न केवल सांस्कृतिक धरोहर को सहेजती है। सचिव दिलजॉन सिंह ग्रेवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन पाठकों, छात्रों, शिक्षकों और साहित्य प्रेमियों के बीच ज्ञान-वृद्धि की प्रेरणा देती है। पूर्व डीएसडब्ल्यू डॉ देवयानी विश्वास, डॉ शर्मिला बनर्जी, प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद समेत अन्य ने संबोधित किया। मंच संचालन डॉ वर्षा सिंह के द्वारा किया गया।

BIHAR OBSERVER – 28/11/2024

तथा होल्डिंग धारकों की संख्या

विभिन्न शिकायतों के निवारण की

प्रतिनिधि मौजूद थे।

गुरुनानक कॉलेज में पुस्तक मेला का समापन

धनबाद (ब्यूरो) : गुरुनानक कॉलेज में चल रहे दो दिवसीय पुस्तक मेले का बुधवार को समापन हुआ। कार्यक्रम का शुभआरंभ सबद गायन से हुआ। तत्पश्चात इस पुस्तक मेले की खास उपलब्धि भारतीय अमेरिकी उपन्यासकार किरणभट रहे जिनका जन्म २१ अप्रैल १९९० जो एक कवि, लघु-कथा लेखक, साहित्यिक आलोचक और अनुवादक हैं, जिन्होंने कविता संग्रह ऑटो बायोग्राफिया, स्पीकिंग इन टंग्स (२०२२), और उपन्यास वी ऑफ़ द फ़ॉरसेकेन वर्ल्ड (२०२०) लिखे हैं। उन्होंने साहित्य पर लेखन संबंधी अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किया। महाविद्यालय के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने बहुभाषी भारत पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत की भाषाई विविधता न केवल सांस्कृतिक धरोहर को सहेजती है, बल्कि एकता में विविधता के विचार को भी मजबूती प्रदान करती है। विभिन्न भाषाओं के बावजूद, भारतीय लोग सांस्कृतिक और सामाजिक स्तर पर एकदूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। यह एकता भारतीय समाज की सबसे बड़ी ताकत है। महाविद्यालय के सचिव सरदार दिलजोन सिंह ग्रेवाल ने अपने संबोधन में पुस्तक मेला के उद्देश्य पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन पाठकों, छात्रों, शिक्षकों और साहित्य प्रेमियों के बीच अध्ययन और ज्ञानवृद्धि की प्रेरणा देती है।

पूर्व डी एस डब्ल्यू एवं अध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग डॉ. देवयानी विश्वास विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय ने अपने संबोधन में पुस्तकों को सच्चा मित्र कहा जिसमें सफलता के मूलमंत्र छुपा है। पुस्तक मेले में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित प्रकाशकों ने भाग लिया और अपनी पुस्तकों का प्रदर्शन किया। ये प्रकाशक साहित्य, विज्ञान, इतिहास, कला, प्रौद्योगिकी और धर्म सहित विभिन्न विषयों पर केंद्रित पुस्तकें लेकर आए थे। प्रतिभागी प्रकाशकों ने विशेषछूट और नवीनतम संस्करणों के साथ पाठकों के बीच अपनी पहचान बनाई। डॉ. शर्मिला बनर्जी पूर्व सहायक प्राध्यापक उपस्थित रही। इस मेले की एक प्रमुख विशेषता बेलूर मठ से आए स्वामी विवेकानंद के आदर्शों के प्रचारक थे।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों और दर्शन को जन सामान्य तक पहुंचाने के लिए एक विशेष स्टॉल लगाया, जिसमें उनके जीवन और शिक्षाओं से संबंधित पुस्तकें, पर्चे, पोस्टर और अन्य साहित्य प्रदर्शित किए गए। उनके स्टॉल पर छात्रों और दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी, जो स्वामी विवेकानंद के आदर्शोंको जानने और समझने के लिए उत्सुक थे। छात्रछात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कला का मंचन किया।

घरेलू कलह से तंग आकर युवक ने लगायी फांसी

धनसार (ब्यूरो) : धनसार थाना क्षेत्र गांधी रोड में बुधवार की दोपहर २६ वर्षीय धीरज कुमार साहनी ने परिवारिक कलह से तंग आकर अपने घर मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर धनसार पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया। धीरज झरिया के एक आउटसोर्सिंग में चालक का काम करता था। बताया जा रहा है कि धीरज अपनी पत्नी व एक बच्चे के साथ चांदमारी कोलियरी मे रहता था। दो माह पूर्व ही वह गांधी रोड में मनोज यादव के घर मे भाड़े पर रहता था। धीरज के मौत के बाद पत्नी का रो रोकर बुरा हाल है। पत्नी सोनी ने पुलिस को फर्दब्यान मे बताया कि उसकी शादी दो साल पूर्व हुई थी। अक्सर धीरज रात को कभी कभी शराब पीकर आता था। जिसको लेकर हमेशा बकझक होती थी। मंगलवार की रात भी वह शराब पीकर आया। जिसको लेकर दोनों मे बहस हो गई। बुधवार को सुबह नौ बजे अपने पति से कहा कि मेरे पिताजी का तबियत खराब है। इसलिए मुझे मायके पहुंचा दिजिए। इसपर मेरे पति भड़कते हुए कहा कि मायके नहीं जाना है। इसी बात को लेकर दोनों में बहस हो गई। मै अपने घर में काम करने लगी। तभी मुझे कुर्सी गिरने की आवाज आई। जब घर के अंदर गई तो देखा कि उसका पति फंदे से लटककर छटपटा रहा है। शोरगुल मचाने पर आसपास के लोग जुट गए। उन्हें उतारकर धनबाद अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।